परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स 2.0

प्रिलिम्स के लिये:

[ज़िलों के लिये परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स](), [एजुकेशन प्लस के लिये एकीकृत ज़िला सूचना प्रणाली](), [NAS](), **दक्ष और उत्कर्ष**, [NEP 2020]()।

मेन्स के लिये:

ज़िलों के लिये परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों (UT) के प्रदर्शन का आकलन करते हुए वर्ष **2022-23 और 2023-24 के लिये परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) 2.0 रिपोर्ट** जारी की।

परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) 2.0 क्या है?

- **परिचय: परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) 2.0** शिक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित एक साक्ष्य-आधारित ढाँचा है, जिसका उद्देश्य संरचित और डेटा-संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में स्कूली शिक्षा प्रणाली का आकलन करना है।
- **लॉन्च:** PGI को मूल रूप से वर्ष 2017 में लॉन्च किया गया था और इसे वर्ष 2021 में [राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020]() तथा [सतत् विकास लक्ष्यों (SDG)]() के अनुरूप **PGI 2.0** के रूप में पुनर्गठित किया गया।
- **संकेतक और ग्रेडिंग प्रणाली:** PGI 2.0 स्कूल शिक्षा का मूल्यांकन **73 संकेतकों** के माध्यम से करता है, जो **2 श्रेणियों** (परिणाम और शासन एवं प्रबंधन) में विभाजित हैं, जिन्हें पुनः **6 डोमेनों** में वर्गीकृत किया गया है।

श्रेणियाँ	क्षेत्र (डोमेन)	संकेतक (इंडिकेटर्स)	कुल वज़न (Total Weight)
1. परिणाम (Outcomes)	अधिगम परिणाम और गुणवत्ता (LO)	12	240
	पहुँच (Access - A)	7	80
	आधारभूत संरचना और सुविधाएँ (IF)	15	190
	समानता (Equity - E)	16	260
2. शासन एवं प्रबंधन (GM)	शासन प्रक्रियाएँ (Governance Processes - GP)	15	130
	शिक्षक शिक्षा और प्रशिक्षण (TE&T)	8	100
कुल योग		**73**	**1000**

- PGI 2.0 स्कोर को **1,000** अंकों के पैमाने पर वर्गीकृत किया जाता है, जिसे 10 प्रदर्शन स्तरों में वर्गीकृत किया गया है — जिसमें **दक्ष (उच्चतम)** और **आकांक्षी-3 (निम्नतम)** स्तर होता है।
- **डेटा स्रोत:** यह आँकड़े **राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS) 2021**, **शिक्षा के लिये एकीकृत ज़िला सूचना प्रणाली (UDISE+)** और **मध्याह्न भोजन कार्यक्रम (PM-पोषण)** से प्राप्त जानकारी पर आधारित हैं।

वर्ष 2023–24 के लिये परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) 2.0 के प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं?

- **शीर्ष प्रदर्शनकर्त्ता: चंडीगढ़** ने 703 अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया, इसके बाद **पंजाब** (631.1) और **दिल्ली** (623.7) का स्थान रहा।

- **चंडीगढ़** ने **लगातार तीन वर्षों** तक शीर्ष स्थान बनाए रखा।
- अन्य उच्च प्रदर्शन करने वाले राज्य, जिनका स्कोर **581 से 640** के बीच रहा, उनमें **केरल, गुजरात, ओडिशा, हरियाणा, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान** शामिल हैं।

- **शीर्ष ग्रेड में कोई राज्य नहीं:** कोई भी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश **उच्चतम प्रदर्शन श्रेणी (761–1,000 अंक)** में स्थान प्राप्त नहीं कर सका।
- **निम्न प्रदर्शनकर्त्ता: मेघालय** ने **417.9** अंकों के साथ सबसे निम्न स्थान प्राप्त किया, इसके बाद **अरुणाचल प्रदेश (461.4), मिज़ोरम (464.2), नागालैंड (468.6) और बिहार (471.9)** का स्थान रहा।
- **मध्यम प्रदर्शनकर्त्ता: 521–580** अंकों की सीमा में स्कोर करने वाले राज्यों में **उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड** शामिल हैं।
- **सुधार की प्रवृत्ति:** 36 में से 25 राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों ने वर्ष 2022–23 की तुलना में वर्ष 2023–24 में अपने PGI स्कोर में सुधार किया।
- **अंतर-राज्यीय असमानता में वृद्धि:** उच्चतम (719) और न्यूनतम (417) स्कोर के बीच **300 से अधिक अंकों का अंतर** दर्शाता है कि राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के बीच स्कूली शिक्षा प्रदर्शन में **व्यापक असमानता** बनी हुई है।
- **सुलभता में सर्वोत्तम सुधार: बिहार और तेलंगाना ने शिक्षा तक सुलभता** के क्षेत्र (नामांकन, प्रतिधारण, परिवर्तन/ट्रांज़िशन, स्कूल न जाने वाले बच्चे) में **अधिक सुधार** दिखाया।
- **बुनियादी ढाँचे में सर्वोत्तम सुधार: दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, तथा तेलंगाना ने बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं** (शौचालय, स्वच्छ जल, बिजली, डिजिटल संसाधन, आदि) में **सबसे अधिक प्रगति** दर्ज की।

Map 4.2: Grades attained by States/UTs – 2022-23 and 2023-24

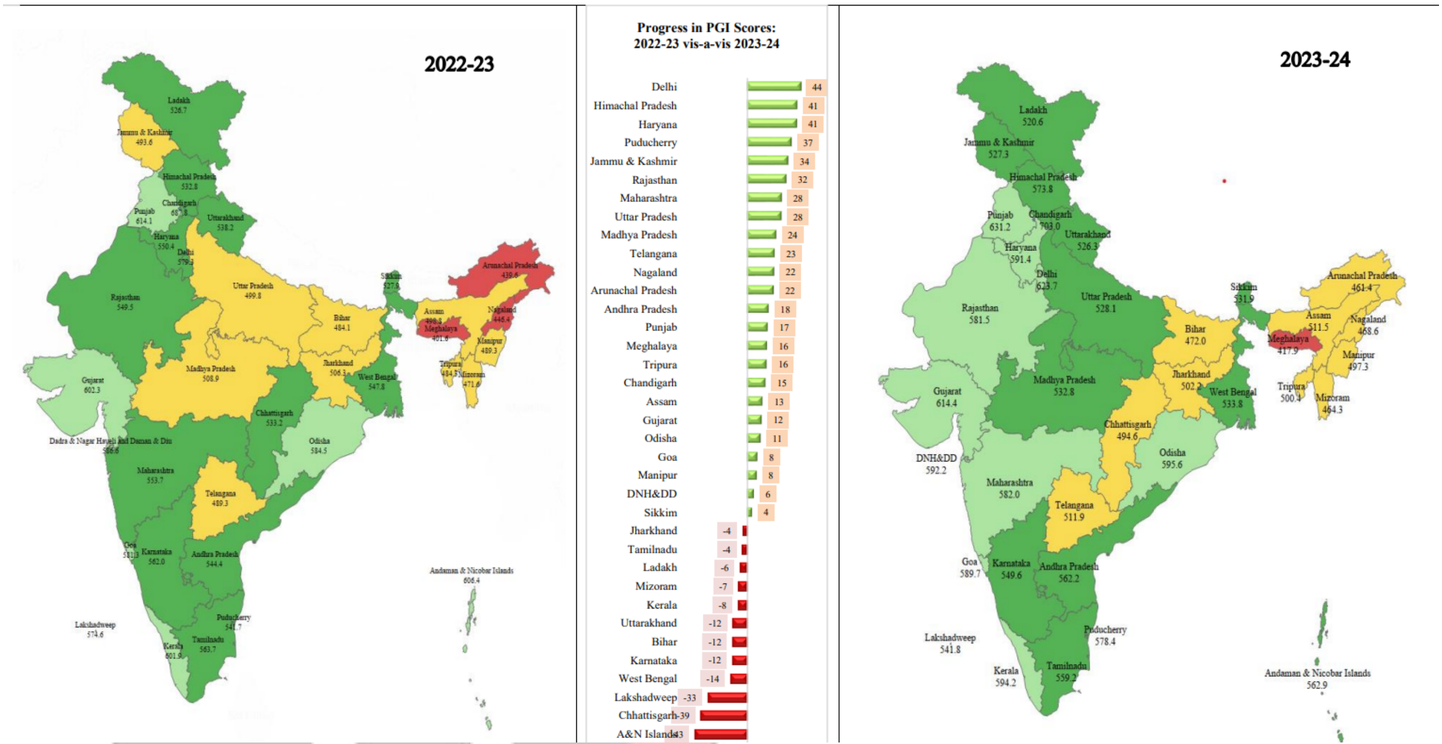

स्कूली शिक्षा से संबंधित सरकार की पहल क्या हैं?

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020
- समग्र शिक्षा
- मध्याह्न भोजन योजना
- एकलव्य मॉडल स्कूल और राजीव गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप योजना
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संवर्द्धित शिक्षा कार्यक्रम
- सर्व शिक्षा अभियान
- प्रज्ञाता
- पीएम श्री स्कूल

दृष्टि मुख्य परीक्षा प्रश्न:

Q. "शिक्षा की गुणवत्ता केवल सुलभता तक सीमित नहीं है, बल्कि परिणामों से भी संबंधित है।" भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने में आने वाली चुनौतियों की विवेचना कीजिये। सुधारों का सुझाव दीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????

प्रश्न. भारतीय संवधिान के नमि्नलखिति में से कौन-से प्रावधान शक्षिा पर प्रभाव डालते हैं? (2012)

1. राज्य नीतकि के नदिशक तत्त्व
2. ग्रामीण और शहरी स्थानीय नकाय
3. पाँचवीं अनुसूची
4. छठी अनुसूची
5. सातवीं अनुसूची

नीचे दयि गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

(a)केवल 1 और 2
(b)केवल 3, 4 और 5
(c)केवल 1, 2 और 5
(d)1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (d)

??????

प्रश्न 1. जनसंख्या शक्षिा के प्रमुख उद्देश्यों की ववि‍चना करते हुए भारत में इन्हें प्राप्त करने के उपायों को वस्तितृ प्रकाश डालयि। (2021)

प्रश्न 2. भारत में डजिटिल पहल ने कसि प्रकार से देश की शक्षिा व्यवस्था के संचालन में योगदान कयिा है? वस्तितृ उत्तर दीजयि। (2020)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/performance-grading-index-2-0